༄༅།།བོད་ཀྱི་རིང་བསྲུན་དཔེ་ཆོག་ལྟེ་གནས།།

Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W4CZ355860	***ImageGroup:***	I4CZ356008
LCCN:	n/a	***ISBN:***	n/a

Title:	མངོན་བརྗོད་དང་སྡེབ་སྦྱོར་སོགས། mngon brjod dang sdeb sbyor sogs/
Author:	རྡོ་རྗེ་བློ་ཡི d+harma shrI
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Avenue, Cambridge, MA 02138 US.

ཀ། ཐུབ་པའི་དགོངས་པ་ཀུན་ཏུ་ཡང་དག་པ་ཉིད་དུ་ཤེས་པ་ཡིན་ནོ།

ཀཱ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ་ཡ་ཀ

ཡིན་ཏེ་ཐོག་མེད་ནས་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡི་ཡུལ་ཅན་

ཀྱི་ཡང་ཡང་ཡང

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པའི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འཕྲིན་ལས་ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པའི་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་སྐུ་གསུང་ཐུགས་ཀྱི་རྟེན་ཅིང་འབྲེལ་བར་འཕྲིན་ལས་

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀྱི་ཚིག་ཡིན་ཏེ། ཚིག་ཏུ་ཡིན་ཡང་ཚིག་ཏུ

ಕಾಲಾಂತರದಲ್ಲಿ ಅವರ ಮಗ ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನು ಸಿಂಹಾಸನವನ್ನೇರಿದನು. ಅವನು ಸಿಂಹಾಸನವನ್ನೇರಿದ ಕೂಡಲೆ ಅವನ ಮಾವನಾದ ಚೇಟಕನು ಅವನ ಬಳಿಗೆ ಬಂದು ಅವನಿಗೆ ನಮಸ್ಕರಿಸಿ ಅವನ ಪಾದಗಳಿಗೆ ಕಿರೀಟವನ್ನಿಟ್ಟು ಅವನ ಮುಂದೆ ಕೈಮುಗಿದು ನಿಂತನು. ಆಗ ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನು ಅವನಿಗೆ ಆಸನವನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಕುಳ್ಳಿರಿಸಿ ಅವನಿಗೆ ಸಂಭಾವನೆಯನ್ನು ಕೊಟ್ಟು ಅವನನ್ನು ಗೌರವಿಸಿ ಅವನಿಗೆ ಅಪ್ಪಣೆಯನ್ನಿತ್ತು ಕಳುಹಿಸಿದನು. ಆಗ ಚೇಟಕನು ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನಿಂದ ಅಪ್ಪಣೆಯನ್ನು ಪಡೆದು ಅಲ್ಲಿಂದ ಹೊರಟು ಹೋಗಿ ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನ ಅಪ್ಪಣೆಯಂತೆ ಅವನ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಸೇರಿಕೊಂಡನು. ಆಗ ಸಿದ್ಧಾರ್ಥನು ಸಿಂಹಾಸನವನ್ನೇರಿ ಕುಳಿತು ಅವನ ಸೈನ್ಯವನ್ನು ಸೇರಿಕೊಂಡಿರುವ ಚೇಟಕನನ್ನು ಕರೆಯ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཐ་མ་ཡན་ཆད་ཀྱི་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་དང་། ཕྱོགས་བཅུ

ཀཀཀ

ཀཱ་ཡ་ཝཱ་ཀ་ཙི་ཏ་ཀ

ཀྱི་ཡི་ཡིས་ཡུ་ཡོ་ཡོས་ཡུ་ཡོ་ཡོས་ཡུ་ཡོ་ཡོ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨ་ཀ་ཙ་ཊ་ཏ་པ་ཡ་ཤ་ཀྵ་ཨཱ་ཁ་ཆ་ཋ་ཐ་ཕ་ར་ཥ་ཨི་ག་ཛ་ཌ་ད་བ་ལ་ས་ཨཱི་གྷ་ཛྷ་ཌྷ་དྷ་བྷ་ཝ་ཧ་ཨུ་ང་ཇ་ཎ་ན་མ་ཨཱུ་ཉ་ཞ་ཊྛ་ཡ་ཨྲྀ་ཟ་ཀྲྀ་ཁྲྀ་ཨཱྲྀ་ཁཱྲྀ་ཨླྀ་ཁླྀ་ཨཱླྀ་ཁཱླྀ་ཨེ་ཁེ་ཨཻ་ཁཻ་ཨོ་ཁོ་ཨཽ་ཁཽ་ཨཾ་ཁཾ་ཨཿཁཿ་ཧཱུྃ་ཕཊ་སྭཱཧཱ།

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय
हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषम
विषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषम
विषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषम
विषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो
भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट्
स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषम
विषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय
उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय
भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो भगवते वज्रधराय
महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय उग्रविषविषमविषनिर्घातनाय हुं फट् स्वाहा ॥ ॐ नमो

ཀཀ། ཀཀཀ

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨ་ནཱ་ཝ་ཏ་ཀ་ཨ་ཀ་ཡ

ॐ नमो भगवत्यै आर्यप्रज्ञापारमितायै ॥ नमः सर्वज्ञाय ॥ नमः सर्वबुद्धबोधिसत्त्वेभ्यः ॥ एवं मया श्रुतं ॥ एकस्मिन्समये भगवान्राजगृहे विहरति स्म गृध्रकूटपर्वते महता भिक्षुसंघेन सार्धं महता च बोधिसत्त्वगणेन ॥ तेन खलु पुनः समयेन भगवान्सिंहविक्रीडितं नाम समाधिं समापन्नः ॥ तस्मिन्समाधौ समापन्ने भगवतः पुरतः पूर्वस्यां दिशि गङ्गानदीवालुकोपमाः सर्वबुद्धक्षेत्रा अकम्पिता अचलिता असंप्रकम्पिता अवेधिता अक्षुभिता अक्षोभिता अनेजयिता अनिञ्जयिता अनिमित्ता अनालम्बा अनाभोगा अनाकारा अविकल्पा अविकल्पिता अप्रपञ्चा अप्रपञ्चिता अनुत्पादा अनुत्पन्ना अनभिसंस्कारा अनभिसंस्कृता अनभिसंस्कारानुत्पादा अनभिसंस्कारानुत्पन्ना अनभिसंस्कारानुत्पादधर्मक्षान्तिप्रतिलाभा अनभिसंस्कारानुत्पन्नधर्मक्षान्तिप्रतिलाभा अनभिसंस्कारानुत्पादधर्मक्षान्तिप्रतिलाभसमतया समतानुगताः ॥ तत्र सर्वबुद्धक्षेत्रेषु सर्वतथागतानां पुरतः पूर्वस्यां दिशि

ཀྱི་ཡི་ཡིས་ཡུ་ཡོ་ཡོས་ཡོ་ཡོ་ཡོ

ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོ་མོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་མོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཁྲོ་ཀྱི་ཡང་ཡིན་ཏེ། ཁོང་ཁྲོ

ཀཱཏནྟྲཱ ཀཱཏནྟྲཱ ཀཱཏནྟྲཱ

ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཆོས་ཀྱི་སྐུ་ཡང་

ཀཱ་ཏན་ཀྲི་

ཀཱ་ཏན་ཀྱི་ཟླ་བ་ཞེས་བྱ་བ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་གྱི་སྐུ་ཡོན་ཏན་ཕུན་སུམ་ཚོགས་པ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ངོ་བོ་ཉིད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་ཏིང་ངེ་འཛིན་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཐུགས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་ཏིང་ངེ་འཛིན་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་ཏིང་ངེ་འཛིན་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཕྲིན་ལས་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ། །ཡང་ཏིང་ངེ་འཛིན་དེ་ཉིད་ཀྱི་ཐུགས་རྗེ

ཀཱ་ཀཱ་ཀཱ་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཕྱོགས་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཁམས་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཐམས་ཅད་ཀྱི

ཀཀ།

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे
त्रिभुवनभयजननाय त्रिभुवनभयविनाशनाय त्रिभुवनैकवीराय त्रिभुवनैकनाथाय त्रिभुवनैकरक्षकाय
त्रिभुवनैकवशंकराय त्रिभुवनैकविजयाय त्रिभुवनैकजयाय त्रिभुवनैकवन्द्याय त्रिभुवनैकपूजिताय
त्रिभुवनैकदर्शनाय त्रिभुवनैकदर्शनप्रियाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरताय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकराय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणाय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकराय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय
त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणाय त्रिभुवनैकदर्शनाभिरतिकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकरणकराय

ཀུན་བཟང་ཐུགས་ཀྱི་ཏིང་ངེ་འཛིན་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་རྫོགས་པ་ཆེན་པོ་ཀུན་བཟང་དགོངས་པ་ཀུན་བཏུས་ཀྱི་ཆོས་སྐོར་ལས།

ཀྱི་ཡི་ཡི་ཡ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡུལ་ཕྱོགས་ཐམས་ཅད་ན་བཞུགས་པ་ཡི་དེ་བཞིན་གཤེགས་པ་དགྲ་བཅོམ་པ་ཡང་དག་པར་རྫོགས་པའི་སངས་རྒྱས་ཐམས་ཅད་ལ་ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །ཡང་དག་པར་ཕྱག་འཚལ་ལོ། །

ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་ཀྱི་ཡི་

ཀུ་ཀུ་ཊེ་ཤྭ་ར་ཡ་ཀ་ཀ་ཊ་ཀ་ཊ་ཀ་ཊ

ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁྱོད་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ་ཀྱི་ཡིན་ཏེ། ཁོ

ઽ૦૦૦ ૦૦૦

ཐུབ་པའི་བསྟན་པ་ཡོངས་སུ་རྫོགས་པ་ཡིན་ནོ། །ཞེས་ཟེར་ཏེ། ཁོ་བོ་ཅག་ཀྱང་

ཀཱཡཱ་ཝཱཀ་ཙིཏྟ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ་ཨཱ་ཀཱ་ཤ

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय भूरिभयभैरवभीषणाय महाकायकायाय महाकालरूपिणे
त्रिभुवनभयजनकाय त्रिभुवनसंक्षोभकाय त्रिभुवनसंहारकाय त्रिभुवनोत्पादकाय त्रिभुवनरक्षकाय
त्रिभुवनाधिपतये त्रिभुवनवशंकराय त्रिभुवनविजयिने त्रिभुवनजनकाय त्रिभुवनपितामहाय
त्रिभुवनाभयदाय

ॐ नमो भगवते वज्रधराय महाबलपराक्रमाय महाभयभयानकाय भीमभयानकाय महाकायप्रचण्डाय वज्रयक्षाधिपतये हुं फट् स्वाहा ॥

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཆེན་པོ་ཐམས་ཅད

ཀཀ

ཐུབ་པས་ནི་ཐུབ་པའི་ཕྱིར་ཏེ་ཐུབ་པ་ཞེས་བྱའོ།། ཡོངས་སུ་ཤེས་པས་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཞེས་བྱའོ།། ཡོངས་སུ་སྤངས་པས་ཡོངས་སུ་སྤངས་པ་ཞེས་བྱའོ།། ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡོངས་སུ་སྤངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐུབ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ།། རིག་པ་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡིན་ཏེ་ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཞེས་བྱའོ།། ཡོངས་སུ་སྤངས་པ་ཡོངས་སུ་སྤངས་པ་ཞེས་བྱའོ།། ཡོངས་སུ་ཤེས་པ་ཡོངས་སུ་སྤངས་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐུབ་པ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ།། ཐུབ་པ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐུབ་པ

ཡང་དེ་ ཤ་ཀྱི་ཁ་ལ་ཡོད་ ཡང་ན་ ཡིན་ན་ ཤུན་ ངེས་ ཡིན་ ཡིན་ན་ ཡིན་ན་ ཤེས་ ཤེས་ ཤེས་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་ཡིན་ཏེ་ ཡིན་ཏེ་ ཤེས་ཀྱི་ཡུལ་ཅན་

ইবাহুরাহীমুঞ্জিনিবিনাতাবাবাব

ཀ་ཀ་ཀ་

ཀཱཙིཏཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨཱ ཏེཥཱཀཱཏེཥཱཡུཥྨཱཀཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨ ཏེཥཱཀཱཡུཥྨཱཀཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨ ཏེཥཱཝཙཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨ ཏེཥཱཡཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨ ཏེཥཱཡུཥྨཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུ

ཥྨཱཝཙཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨཱཀཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨཱཀཱཡཱཏཱཝཏྱཱཡུཥྨཱཀ

ଏଇ ଅଧ୍ୟାୟରେ ଅଗ୍ନିଷ୍ଟୋମ ଯଜ୍ଞର ପ୍ରକୃତି ଓ ବିକୃତି ଯଜ୍ଞ ସମୂହର ବିଧି ନିଷେଧ ଆଦି ବିଷୟରେ ଆଲୋଚନା କରାଯାଇଛି । ଅଗ୍ନିଷ୍ଟୋମ ଯଜ୍ଞ ଏକ ସୋମଯାଗ । ଏହା ବସନ୍ତ ଋତୁରେ ଅନୁଷ୍ଠିତ ହୋଇଥାଏ । ଏହି ଯଜ୍ଞରେ ଅଗ୍ନିଷ୍ଟୋମ ସାମ ଗାନ କରାଯାଏ । ଏହି ଯଜ୍ଞରେ ଯଜମାନ ଏକାକୀ ଯଜ୍ଞ କରିପାରନ୍ତି ଅଥବା ଅନେକ ଯଜମାନ ମିଳିତ ଭାବରେ ଯଜ୍ଞ କରିପାରନ୍ତି । ଏହି ଯଜ୍ଞରେ ଯଜମାନ ଓ ଋତ୍ୱିକ୍ ମାନେ ଦକ୍ଷିଣା ଦେଇଥା

ཤ།།ཨཨ། ཨཨཨཨཨ། ཨཨཨཨཨ། ཨཨཨཨཨ

ཐོ་ཆེ་ཐུ་ཚན་ཅན་གཡས་ཐལ་བ་ཡས་ཐལ་བ་གཡུ་ཐེ་ཚན་ཅན་གཡས་ཐལ་བ་ཡས་ཐལ་བ་ཐོ་ཆེ་ཐུ

ཁམས་ཀྱི་ལས་ཀྱི་རྣམ་པར་སྨིན་པ་ཡིན་ཏེ། ཁམས་གསུམ་པོ་དེ་ཡང་ཐོག་མེད་པའི་དུས་ནས་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད་པ་ཡིན་ནོ། །ཁམས་གསུམ་པོ་དེ་ཡང་ཐོག་མེད་པའི་དུས་ནས་ཀུན་ཏུ་སྤྱོད

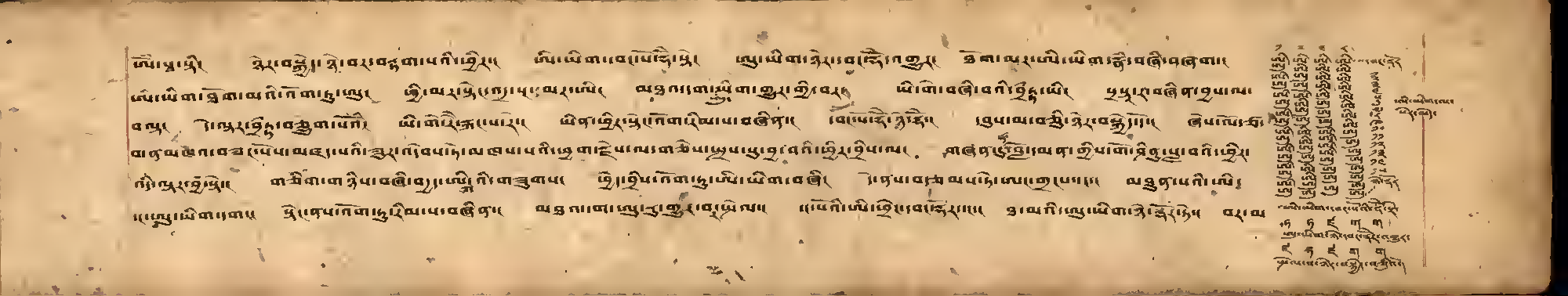

ཀྱི་བཞིའི་བཅུ་གཅིག་ཏུ། ཕྱི་མ་ཉེ་བར་ཁོང་ཁྲོ་བ་ཉིད་ཀྱི་ཚེ་ཞེས་བྱ་བ་ནས་ཞེས་བྱ་བ་ཡན་ཆད་ཀྱི་བར་ཚིག་ཏུ་བྱ་བ་ཡིན་ནོ། །

ཀུ་བཱ་ཡ་ཨ་ཀ་ཤ་ཀ་ཏ་ཀ་ཏ

ཐབས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡང་རུང་ངོ་། ཐབས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡང་རུང་ངོ་། ཐབས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡང་རུང་ངོ་། ཐབས་ཀྱི་ཡན་ལག་ཏུ་ཡང་རུང་ངོ་། ཤེས་རབ

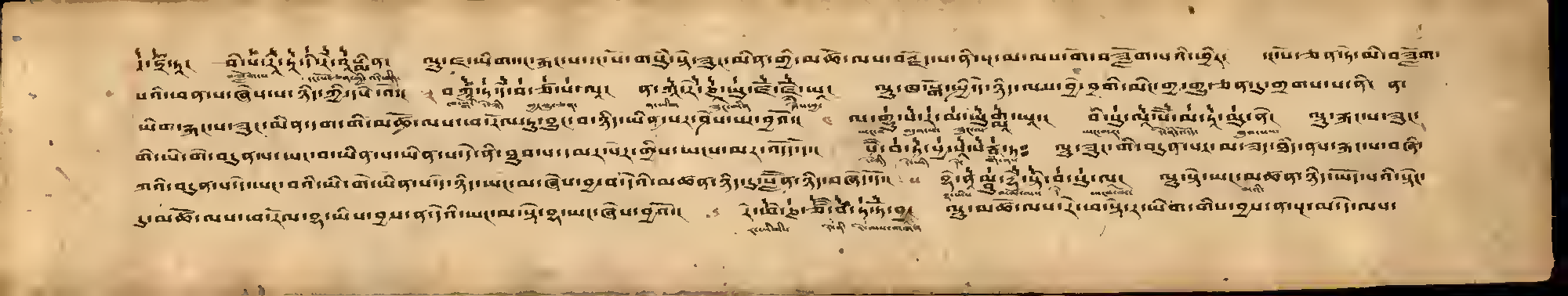

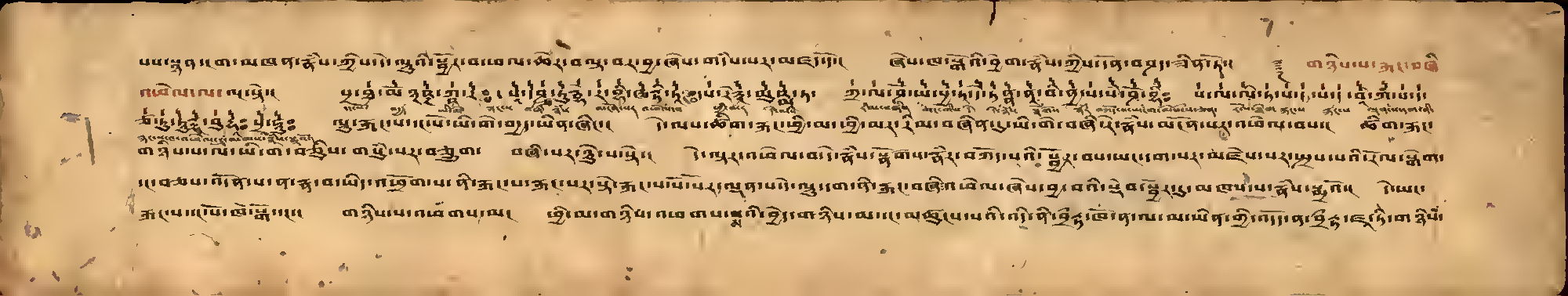

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་གྱི་སྐྱེ་བོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་བར་དུ་ཡང་དག་པར་ལོངས་སྤྱོད་ཅིང་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་གྱི་སྐྱེ་བོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་བར་དུ་ཡང་དག་པར་ལོངས་སྤྱོད་ཅིང་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་གྱི་སྐྱེ་བོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་བར་དུ་ཡང་དག་པར་ལོངས་སྤྱོད་ཅིང་

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྒྱལ་པོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་རྡུལ་ཕྲ་རབ་ཀྱི་གྲངས་ཙམ་གྱི་སྐྱེ་བོ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་ཚེ་ཐམས་ཅད་ཀྱི་བར་དུ་ཡང་དག་པར་ལོངས་སྤྱོད་ཅིང་

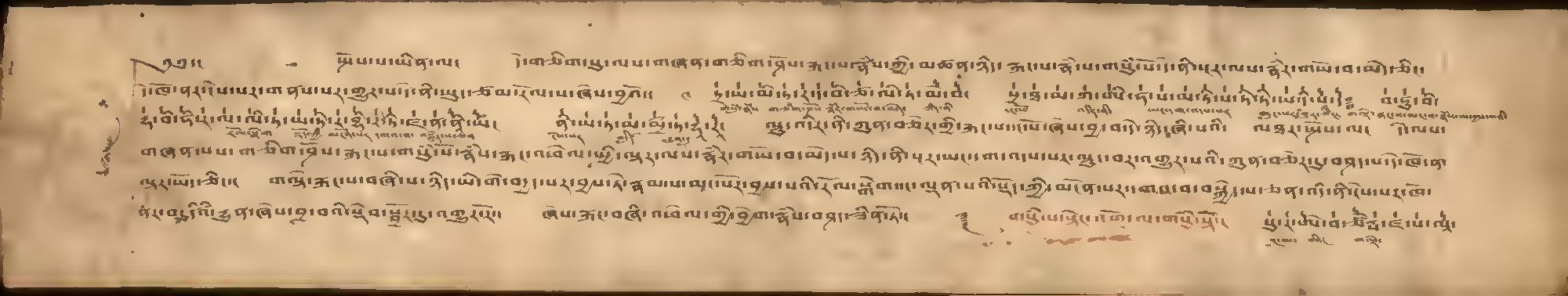

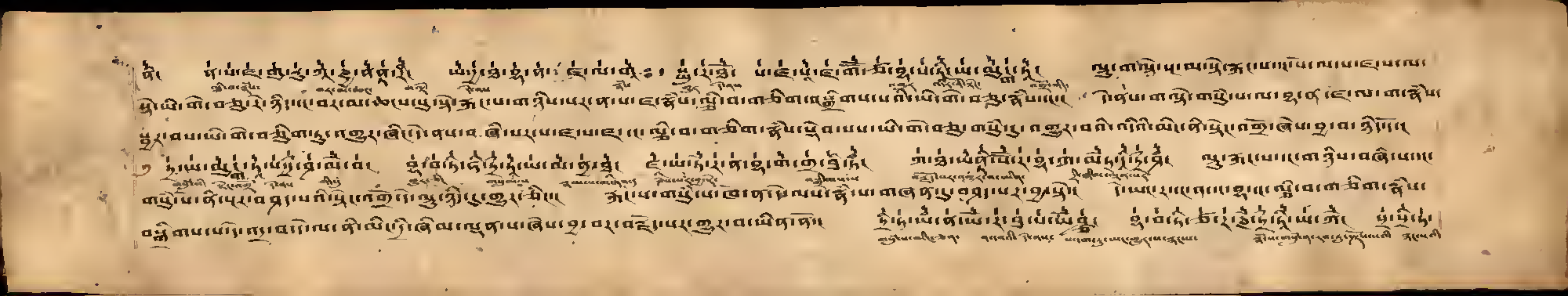

ঁ ঁ ঁ

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོའི་སྨོན་ལམ་གྱི་རྒྱལ་པོ་ལས་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་ཚིག་སྡུད་པ་ཞེས་བྱ་བ་ཐེག་པ་ཆེན་པོའི་མདོ་སྡེ་

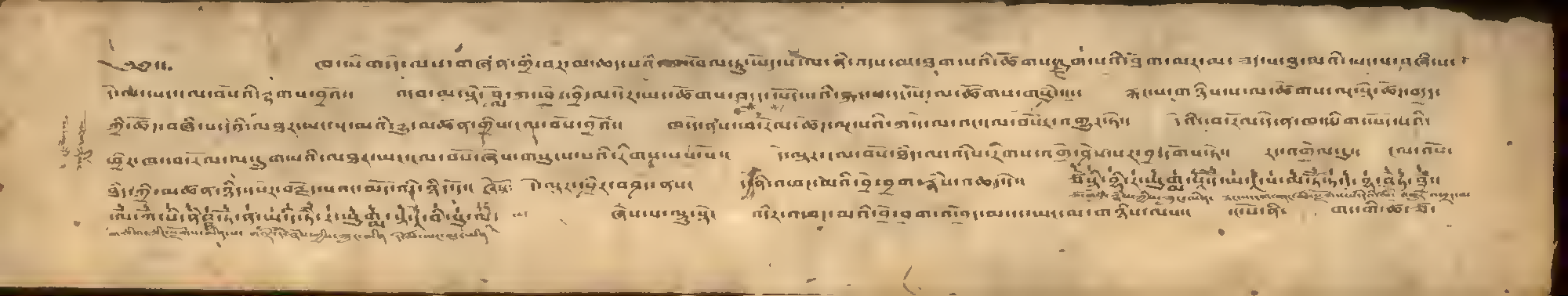

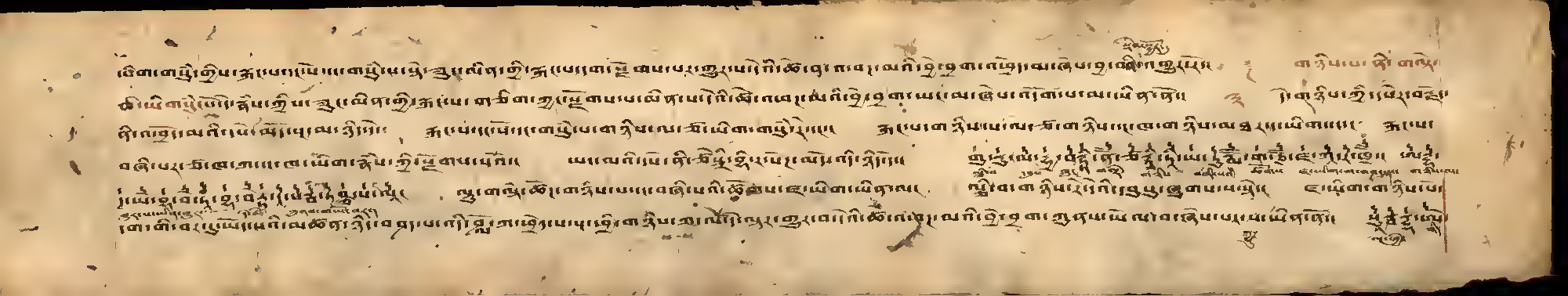

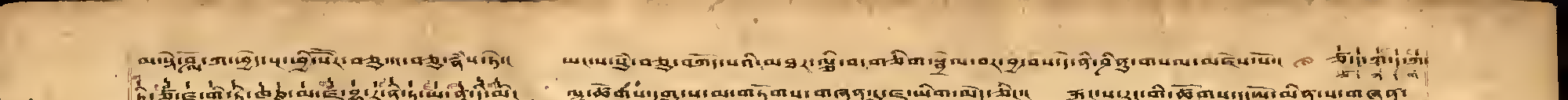

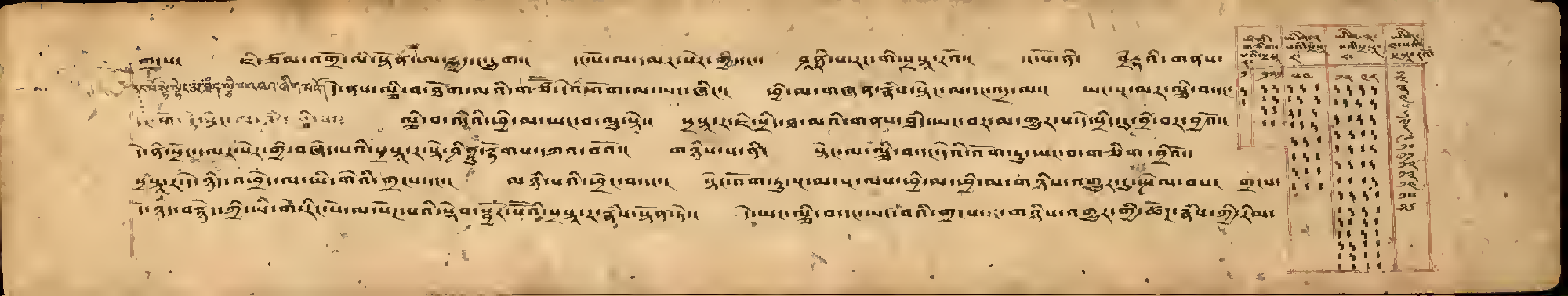

ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་ཡང་ཁ་ཅིག་ཏུ་

ཀཱཏིཔཱཏཱཛྱཱཔཱཏཱཡཱཏཱཏཱཏ

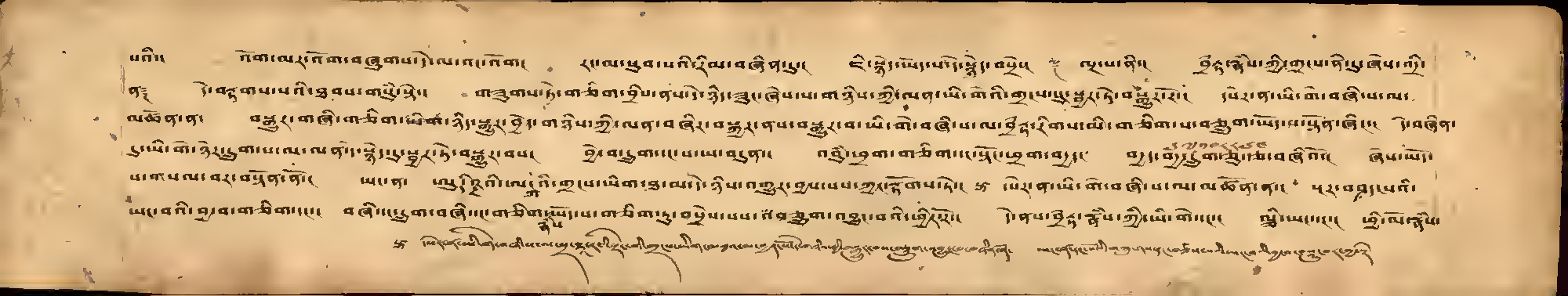

[illegible]

ཡ་ཁོ་ཅོ་ཤ་ཀུ་ཤ་ཀོ། ཁུ་ཤ་ཀྱི་ཤ་ཀ་ཤ་ཀྱི་ཤ་ཀུ་ཤ། ཤུ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ། ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་ཤ་

॥ ॥ ॥

ॐ आत्मतत्त्वा सर्वमङ्गलम्। ॥ ॐ श्रीं क्रीं ह्रीं ऊर्ध्वकेशिनी ॐ श्रीं ह्रीं क्रीं फट्

वज्रशृङ्खला घण्टटला ॐ अमृतवर्षिणी घण्टावती सर्वज्ञा ज्ञानयोगिनी स्वा ॥ ॐ ह्रीं श्रीं ह्रीं ह्रूं ह्रूं

ཐོག་ཏུ་ཁྱེད་ཀྱི་ཕག་གི་ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཅིང་། ཁྱེད་ཀྱི་ཕག་གི་ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཅིང་། ཁྱེད་ཀྱི་ཕག་གི་ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཅིང་། ཁྱེད་ཀྱི་ཕག་གི་ཐོག་ཏུ་ཡང་ཡོད་ཅིང་།

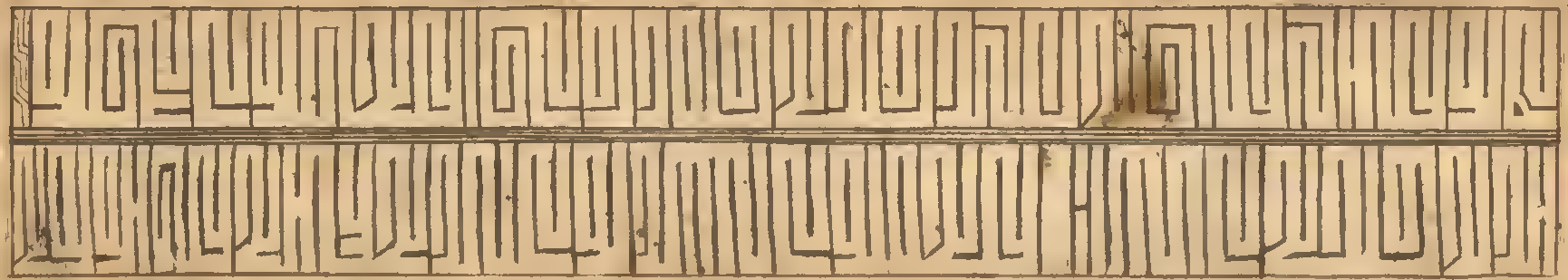

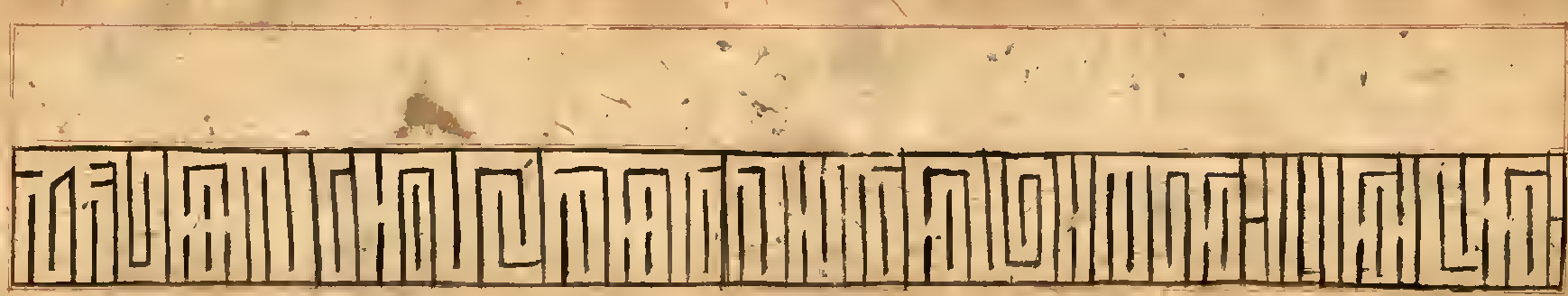

Lorem Ipsum Dolor

Sit amet consectetur adipiscing elit sed do eiusmod tempor incididunt ut labore et dolore magna aliqua ut enim ad minim veniam quis nostrud exercitation ullamco laboris nisi ut aliquip ex ea commodo consequat duis aute irure dolor in reprehenderit in voluptate velit esse cillum dolore eu fugiat nulla pariatur excepteur sint occaecat cupidatat non proident sunt in culpa qui officia deserunt mollit anim id est laborum

Sed Ut Perspiciatis

Unde omnis iste natus error sit voluptatem accusantium doloremque laudantium totam rem aperiam eaque ipsa quae ab illo inventore veritatis et quasi architecto beatae vitae dicta sunt explicabo nemo enim ipsam voluptatem quia voluptas sit aspernatur aut odit aut fugit sed quia consequuntur magni dolores eos qui ratione voluptatem sequi nesciunt neque porro quisquam est qui dolorem ipsum quia dolor sit amet consectetur adipisci velit sed quia non numquam eius modi tempora incidunt ut labore et dolore magnam aliquam quaerat voluptatem

Ut Enim Ad Minima

Veniam quis nostrum exercitationem ullam corporis suscipit laboriosam nisi ut aliquid ex ea commodi consequatur quis autem vel eum iure reprehenderit qui in ea voluptate velit esse quam nihil molestiae consequatur vel illum qui dolorem eum fugiat quo voluptas nulla pariatur at vero eos et accusamus et iusto odio dignissimos ducimus qui blanditiis praesentium voluptatum deleniti atque corrupti quos dolores et quas molestias excepturi sint occaecati cupiditate non provident similique sunt in culpa qui officia deserunt mollitia animi id est laborum et dolorum fuga

Et Harum Quidem

Rerum facilis est et expedita distinctio nam libero tempore cum soluta nobis est eligendi optio cumque nihil impedit quo minus id quod maxime placeat facere possimus omnis voluptas assumenda est omnis dolor repellendus temporibus autem quibusdam et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet ut et voluptates repudiandae sint et molestiae non recusandae itaque earum rerum hic tenetur a sapiente delectus ut aut reiciendis voluptatibus maiores alias consequatur aut perferendis doloribus asperiores repellat

Temporibus Autem

Quibusdam et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet ut et voluptates repudiandae sint et molestiae non recusandae itaque earum rerum hic tenetur a sapiente delectus ut aut reiciendis voluptatibus maiores alias consequatur aut perferendis doloribus asperiores repellat

Nam Libero Tempore

Cum soluta nobis est eligendi optio cumque nihil impedit quo minus id quod maxime placeat facere possimus omnis voluptas assumenda est omnis dolor repellendus temporibus autem quibusdam et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet ut et voluptates repudiandae sint et molestiae non recusandae itaque earum rerum hic tenetur a sapiente delectus ut aut reiciendis voluptatibus maiores alias consequatur aut perferendis doloribus asperiores repellat

Mississippi Valley Historical Review

Table of Contents

Volume XXXVII, Number 1, June 1950

Frontier Defense on the Upper Ohio, 1777–1778 ..... Reuben Gold Thwaites and Louise Phelps Kellogg

Lincoln's Plan of Reconstruction ..... T. Harry Williams

Lincoln's Proclamation of Amnesty and Reconstruction ..... William B. Hesseltine

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Reply ..... Fred A. Shannon

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Rejoinder ..... T. Harry Williams

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Final Word ..... William B. Hesseltine

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Last Word ..... Fred A. Shannon

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Postscript ..... T. Harry Williams

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Bibliography ..... William B. Hesseltine

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Chronology ..... T. Harry Williams

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Glossary ..... William B. Hesseltine

Lincoln's Plan of Reconstruction: A Table of Contents ..... T. Harry Williams

Lorem Ipsum

Dolor sit amet, consectetur adipiscing elit, sed do eiusmod tempor incididunt ut labore et dolore magna aliqua. Ut enim ad minim veniam, quis nostrud exercitation ullamco laboris nisi ut aliquip ex ea commodo consequat. Duis aute irure dolor in reprehenderit in voluptate velit esse cillum dolore eu fugiat nulla pariatur. Excepteur sint occaecat cupidatat non proident, sunt in culpa qui officia deserunt mollit anim id est laborum.

Sed ut perspiciatis

Unde omnis iste natus error sit voluptatem accusantium doloremque laudantium, totam rem aperiam, eaque ipsa quae ab illo inventore veritatis et quasi architecto beatae vitae dicta sunt explicabo. Nemo enim ipsam voluptatem quia voluptas sit aspernatur aut odit aut fugit, sed quia consequuntur magni dolores eos qui ratione voluptatem sequi nesciunt.

Neque porro quisquam

Est, qui dolorem ipsum quia dolor sit amet, consectetur, adipisci velit, sed quia non numquam eius modi tempora incidunt ut labore et dolore magnam aliquam quaerat voluptatem. Ut enim ad minima veniam, quis nostrum exercitationem ullam corporis suscipit laboriosam, nisi ut aliquid ex ea commodi consequatur? Quis autem vel eum iure reprehenderit qui in ea voluptate velit esse quam nihil molestiae consequatur, vel illum qui dolorem eum fugiat quo voluptas nulla pariatur?

At vero eos et accusamus

Et iusto odio dignissimos ducimus qui blanditiis praesentium voluptatum deleniti atque corrupti quos dolores et quas molestias excepturi sint occaecati cupiditate non provident, similique sunt in culpa qui officia deserunt mollitia animi, id est laborum et dolorum fuga. Et harum quidem rerum facilis est et expedita distinctio. Nam libero tempore, cum soluta nobis est eligendi optio cumque nihil impedit quo minus id quod maxime placeat facere possimus, omnis voluptas assumenda est, omnis dolor repellendus.

Temporibus autem quibusdam

Et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet ut et voluptates repudiandae sint et molestiae non recusandae. Itaque earum rerum hic tenetur a sapiente delectus, ut aut reiciendis voluptatibus maiores alias consequatur aut perferendis doloribus asperiores repellat.

Nam libero tempore

Cum soluta nobis est eligendi optio cumque nihil impedit quo minus id quod maxime placeat facere possimus, omnis voluptas assumenda est, omnis dolor repellendus. Temporibus autem quibusdam et aut officiis debitis aut rerum necessitatibus saepe eveniet ut et voluptates repudiandae sint et molestiae non recusandae. Itaque earum rerum hic tenetur a sapiente delectus, ut aut reiciendis voluptatibus maiores alias consequatur aut perferendis doloribus asperiores repellat.

ଓଁ ଅଗସ୍ତ୍ୟଂ କୁମ୍ଭକର୍ଣଂ ଚ ହନୁମାନଂ ବିଭୀଷଣଂ ତ୍ରିପୁରାନ୍ତକଂ ଭୈରବଂ ଚ ପଞ୍ଚପାଣ୍ଡବାନ୍ ମୁନିଂ ମଙ୍ଗଳଂ

ଶନିଂ ଗ୍ରହରାଜଂ ଚ ବାଲ୍ମୀକିଂ ଚ ସୁଗ୍ରୀବଂ ଚ ଜାମ୍ବବନ୍ତଂ ଚ ବାଲିନଂ ଚ ନଳଂ ଚ ନୀଳଂ ଚ ଅଙ୍ଗଦଂ ଚ ଜାମ୍ବବନ୍ତଂ ଚ

ཨོཾ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ་ཨཱཿཧཱུྃ

॥ ॥ ॥

ಬಿಡಿಸಿಕೊಂಡು ಬಂದಿದ್ದಾಗಿ ಹೇಳಿದ್ದಾರೆ. ಆದರೆ ಅವರು ಹೇಳಿದ್ದು ಸುಳ್ಳು. ಅವರು ಅವರ ಮನೆಯಲ್ಲಿ ಇದ್ದಾಗ ಅವರ ಮನೆಯವರು ಅವರನ್ನು ಬಿಡಿಸಿಕೊಂಡು ಬಂದಿರುವುದಿಲ್ಲ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः सङ्कर्षणाय। प्रद्युम्नाय। अनिरुद्धाय।

ॐ नमो नारायणाय। नमो भगवते वासुदेवाय। नमो ब्रह्मण्यदेवाय। गोब्राह्मणहिताय च। जगद्धिताय कृष्णाय। गोविन्दाय नमो नमः।

ॐ नमो भगवते वज्रकुमाराय महाबलपराक्रमाय महाविद्याराजाय महाकामाय महाकामिने महाकामधरिणे महाकामरूपिणे महाकामसंदर्शनाय महाकामसंदर्शनकराय महाकामसंदर्शनकरिणे महाकामसंदर्शनकरिणे महाकामसंदर्शनकरिणे

ટ્રાના ચાચ્યાવમા વૈકોકૈદ્રિા વાણાવાચ્યા ચાલાગનાકુંગા ઔલ્લાનોદા ગ્રાલ્ચૂવૂવા દ્રનૈત ॥ ॥

ર॥ કૈનાગ્રાચૂદાઔંર્ચૂદાવનાવૂમાર્ઔંદાદૂવાતકૈદ ॥ ગાલાનાદ ॥ ૧૫

ॐ वज्रसत्त्व आः हूं। वज्रसत्त्व समयमनुपालय। वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ। दृढो मे भव। सुतोषयो मे भव। सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ। सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु। हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व आः॥

ॐ वज्रसत्त्व आः हूं। वज्रसत्त्व समयमनुपालय। वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ। दृढो मे भव। सुतोषयो मे भव। सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ। सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु। हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व आः॥

ॐ वज्रसत्त्व आः हूं। वज्रसत्त्व समयमनुपालय। वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ। दृढो मे भव। सुतोषयो मे भव। सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ। सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु। हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व आः॥

ॐ वज्रसत्त्व आः हूं। वज्रसत्त्व समयमनुपालय। वज्रसत्त्व त्वेनोपतिष्ठ। दृढो मे भव। सुतोषयो मे भव। सर्वसिद्धिं मे प्रयच्छ। सर्वकर्मसु च मे चित्तं श्रेयः कुरु। हूं हा हा हा हो भगवन् सर्वतथागतवज्रमा मुञ्च वज्रीभव महासमयसत्त्व आः॥

ॐ। ॐॐॐ

ॐ नमः सिद्धेभ्यः ॥ अथ श्रीमदाचार्यकल्पपण्डितटोडरमलविरचितः मोक्षमार्ग

ॐ नमः सिद्धेभ्यः ॥ अथ श्रीमदाचार्यकल्पपण्डितटोडरमलविरचितः मोक्षमार्ग

ಅಲ್ಲಿ ಅಲ್ಲಿಗೆ ಬಂದು ಅಲ್ಲಿಯ ಮಂಡಲಾಧಿಪತಿಗಳಿಂದ ಸಮಸ್ಕರಿಸಲ್ಪಟ್ಟು ಅತ್ಯಂತ
ಪರಾಕ್ರಮಿಯಾಗಿ ಪೃಥ್ವಿಯನ್ನು ಪರಿಪಾಲಿಸುತ್ತಿದ್ದನು ಆ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಅವನ ಪಟ್ಟದ ಆನೆಯು

॥ ॥ ॥

ਮਨਮੁਖਿ ਦੁਰਮਤਿ ਅਤਿ ਅਪਵਿਤ੍ਰਾ ॥ ਕਰਣੀ ਕੀਰਤਿ ਸਭ ਸਾਪੇਖਿ ॥ ਦੁਖੁ ਲਾਗੈ ਤਾ ਸਿਮਰੈ ਸੋਇ ॥ ਸੁਖ ਮਹਿ ਬਿਸਰਿ ਸਦਾ ਦੁਖੁ ਹੋਇ ॥ ਕਿਸੁ ਸੇਵੀ ਕਿਸੁ ਪੂਜ ਚੜਾਵਾ ॥ ਕਿਸੁ ਪੁਰਖੈ ਕਿਸੁ ਆਖ ਧਿਆਵਾ ॥ ਕਿਸੁ ਪੂਜੀ ਕਿਸੁ ਕਰੀ ਨਮਸਕਾਰ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਕਰੀ ਬਹਿ ਪੂਕਾਰ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਰੋਵਾ ਦੁਖੁ ਧਾਹ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਗਾਵਾ ਸੁਖ ਮਨਿ ਚਾਹ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਗੁਣ ਅਵਗਣ ਕਹਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਦਾਤਿ ਮਾਗਣ ਜਾਵਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਕਹਾ ਸੁਣੇ ਜਾਣੈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਘਟ ਪਹਿਚਾਣੈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਦੇਖੈ ਸੁਣੈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਜਾਣੈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਵਰਤਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਵਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਲੈਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਦੇਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਖੇਲਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਮੇਲਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਤਮਾਸਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਨਿਰਾਸਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਉਦਾਸੀ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਸਨਿਆਸੀ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਅਨੰਦੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਸੋਗੰਦੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਵਿਸਾਦੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਅਹਿਲਾਦੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਅਫਾਰੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਨਿਮਾਣਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਨੀਚੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਊਚੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਜਾਤਿ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਪਾਤਿ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਜਜਮਾਨੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਪਰਧਾਨੁ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਸਰਦਾਈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਵਡਿਆਈ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਸਰਮਿੰਦਾ ॥ ਕਿਸੁ ਆਗੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਹੋਇ ਨਿਖੰਦਾ

ଶ୍ରୀ ଗଣେଶାୟ ନମଃ ଶ୍ରୀଗୁରୁଭ୍ୟୋ ନମଃ ଅଥ ଦେବୀମାହାତ୍ମ୍ୟଂ ପ୍ରାରଭ୍ୟତେ

ଓଁ ନମଶ୍ଚଣ୍ଡିକାୟୈ ॥ ମାର୍କଣ୍ଡେୟ ଉବାଚ ॥ ସାବର୍ଣ୍ଣିଃ ସୂର୍ଯ୍ୟତନୟୋ ଯୋ ମନୁଃ କଥ୍ୟତେଽଷ୍ଟମଃ

ગાગરીચીલુગા। ગાલુગૂગાચૌઅગીરચીલાદ ગાલુગાઆગા। ૨૯૯૯૯ ગા ૨૯૯૯

કુક્કમકૈલુકુલ્લેઉરાકૈલલ ૯૨૯૯૯। ગુજ્જકૈલુગા દલુગીઅગા। લાલાલલગા। ૯૯૯

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो नारायणाय ॥ ॐ नमो विष्णवे मेघनाथाय ॥ ॐ नमो जलशायिने ॥ ॐ नमो विश्वरूपाय ॥ ॐ नमो विश्वाय ॥ ॐ नमो विश्वेश्वराय ॥ ॐ नमो विश्वकर्मणे ॥ ॐ नमो विश्वात्मने ॥ ॐ नमो विश्वतोमुखाय ॥ ॐ नमो हिरण्यगर्भाय ॥ ॐ नमो

દાટારૂ ગાદ્યાર્ધ્વેરૂવાસુદારૂગાંબારૂ ૬૬ાવરૂપાંધોંગોરાસ્ટેરૂ ધ્રુગાયાર્ધ્વેરૂકાર્ધ્વેરૂકારૂગાારૂરૂ વસ્ટેરૂર્ભુવ્યાંધોંગા

ગાયવાલ્યાગાયરૂ વગ્રાગોંયાદારૂવ્યારવવારૂગાવાગ્રીંદાગ્રુકારૂર્ધ્વેરૂકારૂ દગોંરારૂ ગ્રુાવ્રુકારૂ

ॐ ह्रौं ह्रौं ह्रः ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रः ॐ ह्रूं ह्रूं ह्रः ॐ ह्रैं ह्रैं ह्रः ॐ ह्रौं ह्रौं ह्रः ॐ ह्रः ह्रः ह्रः

ॐ ह्रौं ह्रौं ह्रः ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रः ॐ ह्रूं ह्रूं ह्रः ॐ ह्रैं ह्रैं ह्रः ॐ ह्रौं ह्रौं ह्रः ॐ ह्रः ह्रः ह्रः

ཐུགས་རྗེ་ཆེན་པོ་ཡི་ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཕྱག་རྒྱ་ཅན་ནོ།།

ཀུན་ཏུ་བཟང་པོ་ཡི་ཞིང་ཁམས་ཀྱི་ཡོན་ཏན་ཡང་དག་པ་ཐོབ་པ་ཡིན་ནོ།།

ཡང་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐེངས་གཅིག་ཏུ་ཞེས་བྱ་བའི་ཐ་ཚིག་གོ།།

ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།།

ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།།

ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།།

ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཞེས་བྱ་བ་ནི་ཐེག་པ་ཆེན་པོ་ཡིན་ནོ།།